महत्वपूर्ण एवं खास

हल्दी कार्यक्रम में खाना खाकर 20 लोग बीमार, दो बच्चे सहित तीन गंभीर

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में हल्दी कार्यक्रम में खाना खाकर 20 से ज्यादा लोग बीमार पड़ गए। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें 2 बच्चे समेत 3 लोगों की हालत गंभीर है। बताया जा रहा है कि रात के वक्त खाना खाने के बाद ही इन्हें उल्टी.दस्त की शिकायत शुरू हुई थी। जिसके बाद आनन-फानन में इन्हें अस्पताल लाया गया था। मामला कुसमुंडा थाना क्षेत्र के पाली पडनिया गांव का है। पाली पडनिया गांव में किसी ग्रामीण के घर लडक़ी की शादी होनी है। इसके लिए शनिवार को हल्दी कार्यक्रम रखा गया था। इसी में गांव के लोग शामिल हुए थे। साथ ही कुछ रिश्तेदार भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे। यहां रात के वक्त खाने पीने की भी व्यवस्था थी। जिसमें सभी लोगों ने भोजन किया था। ग्रामीणों ने बताया की खाना-खाने के बाद कुछ लोगों को पहले उलटी की समस्या शुरू हुई। कुछ लोगों का पेट दर्द होने लगा। इसके बाद दस्त और काफी कमजोरी महसूस होने लगी। इस बीच बच्चों को ज्यादा परेशानी होने लगी थी। जिसके बाद तुरंत ही सभी को एक-एक कर जिला अस्पताल ले जाया गया था। अस्पताल ले जाने के बाद तुरंत सभी का उपचार शुरू किया गया था। आनन-फानन में तुरंत अस्पताल में बेड भी खाली नहीं था। ऐसे में ज्यादातर मरीज जमीन पर ही लेट गए। जहां उनका उपचार किया गया। इसके बाद एक वार्ड को खाली कराकर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इन बीमार लोगों में 8 बच्चे भी शामिल थे। जिसमें से 2 की हालत गंभीर है, एक बुजुर्ग की भी हालत गंभीर बताई जा रही है। फिलहाल सभी का उपचार जारी है।

पुस्तकें लिखने के लिए स्वस्थ्य मस्तिष्क का होना बेहद जरूरी

कोरबा। विश्व पुस्तक दिवस दुनिया भर में मनाया जा रहा है और इस बहाने कई विषयों पर चर्चा की जा रही है। विश्व पुस्तक और कॉपीराइट को लेकर गंभीरता से विचार हो रहा है। इन सबके साथ अनिवार्य शर्त यही है कि चाहे कितने बदलाव हो लेकिन लिखने के लिए स्वस्थ मस्तिष्क बेहद जरूरी है। कहा जाता है कि इंसान की सबसे अच्छी दोस्त पुस्तकें होती हैं। इनमें जीवन के अलग- अलग रंग शामिल होते हैं और अंदाज भी। लोगों को मार्गदर्शन देने का काम यह पुस्तकें करती हैं। समय बदलने के साथ प्रकाशन के क्षेत्र में भी अंतर आया है। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े हेमंत माहुलिकर ने इस बारे में अभिव्यक्ति दी और इस बात पर जोर दिया कि रचनाकारों को नए पैटर्न में ढलना होगा। सुगम संगीत विधा में महारत रखने वाले माहुलिकर यह भी बताते हैं कि भले ही पुस्तकओं का क्षेत्र बदल गया है। लेकिन उनकी जगह जबकि तस है इन सबसे ऊपर जरूरी यह है कि जो भी लिखेगा उसके पास स्वस्थ मस्तिष्क का होना आवश्यक है। सभ्य समाज के लिए अच्छे विचार बेहद आवश्यक है और यह निकल कर सामने आते हैं अच्छे लोगों से। पुस्तकें ऐसे ही विचारों पर केंद्रित हुआ करते हैं शायद इसलिए कहा जाता है कि व्यक्ति के द्वारा व्यक्त किए गए विचार पर भी विचार करना ही पड़ जाता है।

पुलिस अधीक्षक पटेल ने किया ताइक्वांडो चैम्पियनशिप का उद्घाटन

कोरबा। जिला पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने सेकेंड गोल्डन जिला ताइक्वांडो चैंम्पियनशिप का उद्घाटन किया। उन्होंने बच्चों और उनके पालकों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज के आधुनिक युग में सफलता के नए आयाम हासिल करने बच्चों को भी हर क्षेत्र में कुशल एवं सर्वगुण संपन्न होना चाहिए। एसपी ने कहा कि वेदों में श्रीकृष्ण 64 कलाओं में निपुण कहा गया है और बच्चों को भी हम ईश्वर का रूप मानते हैं। बचपन से ही बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए आप भी कुछ ऐसा इंतजाम करें कि वे भी हर क्षेत्र में निपुण बनें। खेल और शिक्षा के साथ हर विधा में उन्हें दक्ष बनाएं, ताकि वह आपका, देश व समाज का नाम रोशन करें, हमें गौरवांन्वित करें और कल के सुनहरे भारत की नींव गढ़ें। पटेल ने यह भी कहा कि पढ़ाई के साथ खेल में भी उन्हें दक्ष होना जरूरी है। सेकेंड गोल्डन जिला ताइक्वांडो चैंम्पियनशिप.2022 के दो दिवसीय आयोजन में जिले के चार क्षेत्र से विभिन्न आयु वर्ग के करीब 200 खिलाड़ी बच्चे भाग ले रहे हैं।

रोजगार और मुआवजा को लेकर खदान में वाहन के सामने आये भूविस्थापित, फिर हुआ कामकाज बाधित

कोरबा। एसईसीएल कुसमुंडा में एक बार फिर कामकाज बाधित हो गया। कुछ मांगों को लेकर भूविस्थापित सामने आ गए। उन्होंने कोयला खदान क्षेत्र में चल रहे वाहन के सामने आगर तेवर दिखाए। ऑपरेटर के द्वारा इस बारे में एसईसीएल प्रबंधन और प्रशासन को जानकारी दी गई है।

जानकारी के अनुसार रोजगार और मुआवजा का मामला कुछ इकाईयों को लेकर लटका हुआ है। जमीन से संबंधित लोगों के द्वारा इस बारे में अलग बात कही जा रही है जबकि प्रबंधन के अपने तर्क हैं। इसलिए मसला अटका हुआ है। कहा जा रहा है कि एसईसीएल ने जितनी जमीन ली है उसमें सभी भूविस्थापितों को नौकरी दी जाए। इसके अलावा वर्तमान में प्रचलित दर से मुआवजा का भुगतान किया जाना चाहिए। इसी बात को लेकर समस्या बनी है। किसान सभा नामक संगठन से जुड़े लोगों ने संबंधित मामलों को लेकर खदान क्षेत्र में उपस्थिति दर्ज कराई और प्रदर्शन किया। लोगों के पहुंचने से यहां स्थिति बिगड़ गई। डोजर संख्या 208 को ऑपरेटर ने रोका और इस बारे में प्रबंधन के उच्चाधिकारियों को अवगत कराया। खबर के अनुसार प्रदर्शन करने से सीजीएम कार्यालय सहित अन्य कार्यालयों में दैनिक कामकाज पर अवरोध हुआ। कर्मचारियों के द्वारा ग्रामीणों की ओर से प्रदर्शन करने के बारे में जानकारी दी गई। खबर होने पर पुलिस यहां पहुंची और समझाईश देकर लोगों को शांत कराया गया।

इससे पहले भूमिवस्थापितों की ओर से सीजीएम का घेराव किया जा चुका है। इसकी शुरूआत पिछले महीने हुई थी और अलग-अलग तरीके से विरोध किया गया था। दावा किया जा रहा है कि कुसमुंडा में जो प्रदर्शन हो रहा है उसे लगभग 6 महीने होने जा रहे हैं। आंदोलनकारियों का कहना है कि मांग पूरी होने तक प्रदर्शन करते रहेंगे।

एसडीएम की समझाईश का भी नहीं हुआ असर:- कटघोरा एसडीएम कौशल तेंदुलकर ने एक पखवाड़ा पहले कुसमुंडा पहुंचकर एसईसीएल के भूविस्थापितों के साथ संवाद किया था और उन्हें अपने तरीके से समझाईश दी थी। कहा गया था कि जिन लोगों की जमीन यहां पर अर्जित हुई है उसके दस्तावेज तैयार करने के साथ नामांकन का काम शुरू कराया जा रहा है। इसके लिए प्रबंधन को निर्देशित कर दिया गया है। एसडीएम ने लोगों को कुछ समय प्रतीक्षा करने के लिए कहा था जिस पर लोग सहमत हो गए थे। इसके बावजूद उनका रवैया फिर से पुराना वाला हो गया है जो समझ से परे है।

भू-अर्जन की कार्यवाही दीपका में विलंबित:- एसईसीएल दीपका क्षेत्र में खदान विस्तार करने को लेकर काफी समय से कवायद चल रही है लेकिन अब तक कोई खास प्रगति नहीं हो सकी। नीतिगत कारणों से लोग अपनी जमीन प्रबंधन को सौंपने के पक्ष में नहीं है। उनका कहना है कि पिछले अनुभव अच्छे नहीं रहे। वर्तमान में जमीन के निश्चित रकबे पर एक नौकरी दी जानी है। जबकि एसईसीएल बड़ी मात्रा में जमीन लेने के बाद पात्रता के अनुसार रोजगार देने में आनाकानी करता है। इसलिए दीपका माइंस के विस्तार में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। लंबा अरसा बीतने पर भी सुआभोड़ी और मलगांव की जमीन अर्जित नहीं हो सकी है। लोगों का साफ तौर पर कहना है कि अपनी जमीन छोडऩे से पहले उनकी सभी समस्याएं निराकृत होना चाहिए। पैतृक संपत्ति से हटने का काम तभी होगा जबकि एसईसीएल आर्थिक हितों को लेकर ईमानदारी दिखाएगा।

महिलाएं सक्रिय हैं कबाड़ चोरी में, सामान जब्त

कोरबा। दीपका क्षेत्र में एसईसीएल की खदानें चोरों के निशाने पर है। वहां से कई प्रकार के सामान पार हो रहे हैं। विभागीय सुरक्षा टीम ने आज सुबह मुख्य मार्ग पर कबाड़ पकड़ लिया। कुछ महिलाएं सुरक्षा कर्मियों को देख भाग गईं। इसे पुलिस को सौंपा गया है। मामले में कार्रवाई जारी है।

जानकारी के अनुसार एसईसीएल में सुरक्षा का काम कई स्तर पर किया जा रहा है। विभागीय सुरक्षा कर्मी भी अपनी भूमिका इस काम में निभा रहे हैं। प्रगति नगर कालोनी मार्ग पर सुरक्षा कर्मियों को देखकर कबाड़ चोर भाग गईं। वह ठेला में एंगल,जाली और अन्य सामान लेकर आ रही थीं। सुरक्षा कर्मियों ने कई तरह के सामान उसके कब्जे से जब्त किये हैं। अधिकांश सामान एसईसीएल का है जो विभिन्न उपकरण में काम आते थे। प्रबंधन के द्वारा जब्त किये गए सामान को सूची के साथ स्थानीय पुलिस के हवाले किया गया है ताकि इस मामले में खोजबीन और अन्य कार्रवाई हो सके। इससे पूर्व दीपका और गेवरा खदान से डीजल की चोरी होती रही है। आंकलन है कि प्रतिदिन हजारों लीटर डीजल चोरी खदान में खड़े डोजर वाहनों से की जा रही है। इसमें कई गिरोह शामिल बताए जाते हैं।

कब-बुलबुल के 12 छात्रों को राष्ट्रीय स्तर का गोल्डन एरो अवार्ड

कोरबा। भारत स्काउट्स एवं गाइड्सए जिला कोरबा ने सफलता के कई सोपान तय किए हैं। कब. बुलबुल विंग में कोरबा से पहली बार 12 छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर का गोल्डन एरो अवार्ड प्राप्त किया है। अवार्ड प्राप्त करने वाले कबए बुलबुल को प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया।

स्काउट आंदोलन के तहत प्राथमिक शालाओं में कबए बुलबुल इकाई का संचालन होता है। जिले के कई शालाओं में कबए बुलबुल की इकाइयां क्रियाशील है। चरणबद्ध पाठ्यक्रम और विभिन्ना प्रशिक्षणए कार्यक्रमों में भागीदारी करते हुए छात्र गोल्डन एरो अवार्ड तक पहुंचते हैं। तीन शासकीय प्राथमिक शालाओं के छह कब एवं छह बुलबुल गोल्डन एरो अवार्ड के लिए चयनित हुए थे। कोरोना महामारी

के कारण नई दिल्ली में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन नहीं हो सका था। चयनित कबए बुलबुल के प्रमाण पत्र राज्य मुख्यालय के माध्यम से जिले को भेजे गए थे। जिला स्तरीय तारुण्य वार्ता मड़ई के दौरान मुख्य अतिथि एवं नगर पालिक निगम के सभापति श्यामसुंदर सोनी के हाथों 12 कब-बुलबुल को गोल्डन एरो अवार्ड का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ के राज्य सचिव कैलाश सोनी, जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला आयुक्त जीपी भारद्वाज, जिला मुख्य आयुक्त एवं राज्य समन्वयक में बरशिप प्रोथ मोहम्मद सादिक शेख, शिक्षा विभाग के डीएमसी अम्बस्ट, जिला मुख्यालय आयुक्त विवेक लांडे, ओवाईएमएस प्रोजेक्ट के राज्य समन्वयक दिलीप पटेल, यूनिसेफ के डीएमसी ऋषभ तिवारी भी मौजूद थे।

प्राथमिक शाला भटगांव से कब यशराज, अनुराग, अखिल, ओमप्रकाश, बुलबुल अंषिका, संजना, प्राथमिक शाला कचांदी से कब संदीप, विनोद, बुलबुल सरस्वती, प्राथमिक शाला बनियापारा से बुलबुल अंजना पटेल, आरती पटेल, आदर्श विद्या मंदिर कटघोरा से बुलबुल गरिमा राठौर। फ्लाक लीडर द्वय नमिता श्याम कड़वे फिरोजा खान, कब मास्टर अजय कश्यप ने छात्रों का मार्गदर्शन किया।

लावारिश हालत में 25 टन कोयला सहित ट्रेलर वाहन जब्त

- अवैध रूप से कोयला इकट्ठा करने वालों की सरगर्मी से तलाश जारी

कोरबा। पुलिस अधीक्षक कोरबा भोजराम पटेल द्वारा क्षेत्र में डीजल, कोयला, कबाड़ तथा अवैध कार्य करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही के संबंध में दिये गये निर्देशों के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा व नगर पुलिस अधीक्षक दर्री सुश्री लितेश सिंह के मार्गदर्शन पर चोरों पर शिकंजा कसने के विशेष अभियान के तहत चोरों के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया है।

22 अप्रैल 2022 को दौरान पेट्रोलिंग के मुखबिर से सूचना मिला कि कपाटमुड़ा

नरईबोध खाली मैदान के पास एक ट्रेलर वाहन संदिग्ध हालत में खड़ी है कि सूचना पर हमराह स्टाफ के मौके पर पहुंचने पर उक्त स्थान में एक टाटा कम्पनी का ट्रेलर क्रमांक सीजी 12/ए.यू /3747 खड़ा मिला जिसको चेक करने पर लगभग 25 टन कोयला, कीमती लगभग 1, 25000 रूपये लोड़ मिला। जो उपरोक्त वाहन मय कोयला जुमला कीमती 16,25000 रूपया का लावारिस संदिग्ध हालत में मिलने पर धारा 102 जा.फौ के तहत विधिवत् कार्यवाही कर जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया तथा जप्त वाहन व कोयला को थाना सुरक्षार्थ रखा गया है। उपरोक्त जप्तशुदा ट्रेलर वाहन व कोयला के मालिक तथा अज्ञात आरोपी की पता तलाश कर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। थाना कुसमुण्डा पुलिस द्वारा लगातार अवैध डीजल, कोयला, कबाड़, नशीली दवाईयों, जुआ सट्टा तथा अन्य अवैध कार्य करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक लीलाधर राठौर, प्रधान आरक्षक आकाश शर्मा, आरक्षक महेंद्र चन्द्रा की भूमिका रही है।

त्रिपक्षीय वार्ता में आश्वासन के बाद बालको में हड़ताल समाप्त

कोरबा। बाल्को में नियोजित ठेका कामगार शनिवार को परिवार समेत गेट जाम कर धरना में बैठ गए। इससे कई नियमित कर्मी व अन्य ठेका मजदूर संयंत्र के अंदर प्रवेश नहीं कर सके। शाम को त्रिपक्षीय वार्ता होने के उपरांत आंदोलन समाप्त किया गया।

भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड बाल्को में कार्यरत ठेका मजदूर भारतीय मजदूर संघ बीएमएस के बैनर तले पिछले कुछ दिनों से लगातार धरना दे रहे थे। आंदोलन के बीच प्रबंधन ने श्रम न्यायालय में याचिका दायर की। इस पर श्रम न्यायालय ने स्थगन आदेश जारी करने के साथ ही शुक्रवार को मामले की सुनवाई की। शनिवार को सभी मजदूर बच्चे व पत्नी समेत संयंत्र के मुख्य द्वार के समक्ष धरना में बैठ गए। शाम को प्रशासन व पुलिस की उपस्थिति में प्रबंधन व श्रमिक संघ प्रतिनिधियों की त्रिपक्षीय बैठक आयोजित की गई। इस दौरान कई मांग पर सहमति बनी, तदुपरांत श्रमिक संघ प्रतिनिधियों ने आंदोलन स्थगित करने की घोषणा की और मजदूर काम पर लौटे। इस दौरान बीएमएस के उद्योग प्रभारी आरएस जायसवाल, लक्ष्मण चंद्रा, अशोक सूर्यवंशी, टिकेश्वर सिंह राठौर, संजू शर्मा समेत काफी संख्या में बीएमएस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बाल्को में आंदोलनरत मजदूर उस समय भडक़ गए, जब कुछ कर्मचारी व अन्य श्रमिक संघ प्रतिनिधि जबरदस्ती काम पर जाने का प्रयास करने लगे। इससे तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। दूसरे श्रमिक संघ प्रतिनिधियों ने पुलिस के समक्ष दुव्र्यवहार किए जाने की शिकायत करते हुए सुरक्षा प्रदान करने की मांग की। शाम को बीएमएस के महामंत्री हरीश सोनवानी ने एक पत्र बालको सीईओ को लिखा है जिसमें उन्होंने कहा है कि आंदोलनरत मजदूरों की ओर से उनके व्यवहार से किसी अधिकारी, कर्मचारी को इस घटना से ठेस पहुंची हो तो खेद व्यक्त किया।

पृथ्वी दिवस पर जन-चौपाल आयोजित कर किया विचार मंथन

कोरबा। पृथ्वी दिवस पर जन चौपाल का आयोजन गांधी चौक में बरगद पेड़ के नीचे शासकीय हाई स्कूल व माध्यमिक शाला स्याहीमुड़ी और विज्ञान सभा कोरबा इकाई ने संयुक्त रूप से किया। संस्था की प्राचार्य डा फरहाना अली ने जन चौपाल को संबोधित करते हुए बताया कि अर्थ डे 22 अप्रैल को हर साल मनाया जाता है।

भारत समेत लगभग 195 से ज्यादा देश पृथ्वी दिवस मनाते हैं। पृथ्वी दिवस मनाने का उद्देश्य पृथ्वी ग्रह को बचाना एवं संरक्षित रखना है। इस वर्ष पृथ्वी दिवस की थीम इंवेस्ट इन अवर प्लेनेट है । उन्होंने कहा हर गुजरते साल

के साथ जलवायु खराब होती जा रही हैए यह हमारा कर्तव्य है कि हम अपनी प्रकृति को बचाएं और संरक्षित करने में मदद करें। जन चौपाल से पहले दोनों विद्यालयों के इको क्लब के विद्यार्थियों ने रैली निकालकर पोस्टर चित्रों एवं स्लोगन के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा की संयुक्त सचिव एवं कमला नेहरू महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका निधि सिंह ने जन चौपाल में उपस्थित लोगों को बताया कि पृथ्वी एकमात्र ग्रह है जहां जीवन संभव है मनुष्य के क्रियाकलापों व रहन.सहन के लापरवाह नजरिया के कारण यह पृथ्वी ग्रह नष्ट होने के कगार पर है। पेड़ पौधों के लगातार दोहन से तापमान बढ़ रहा हैए जिससे ग्लेशियर के पिघलने का खतरा है। समय रहते यदि हमने कारगर उपयोग न किए तो यह पृथ्वी नष्ट हो जाएगी। पृथ्वी पर जीवन बचाए रखने के लिए पृथ्वी की प्राकृतिक संपत्ति को बनाए रखना बहुत जरूरी है। व्याख्याता प्रभा साव ने विद्यार्थियों को छोटे.छोटे तरीकों से पृथ्वी को संरक्षित रखने के उपाय बताए। इको ईंट बनाए सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करके ऊर्जा जल संरक्षण कर यह कार्य किया जा सकता है। पुष्पा बघेल ने कहा कि पृथ्वी के सभी जीव एक दूसरे के पूरक हैं। शाकाहारी मांसाहारी जानवर सभी अपना महत्व रखते हैं।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं तकनिकी तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में जानकारी किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् उच्च पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा तकनिकी शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

पर्यावरण संरक्षण व जलवायु परिवर्तन को रोकना हमारी जिम्मेदारी : प्राचार्य मिश्रा

कोरबा। मनुष्य इस जगत का सबसे चालाक प्राणी है जिसने अपने स्वार्थ तथा लोभवश प्रकृति का विदोहन किया है, परिणामत: धरती के जीवो को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है व कुछ जीव विलुप्ती के कगार पर पहुंच गए हैं। हमें पालनहार पृथ्वी माता के प्रति समान आदर व सम्मान का भाव रखना होगा, जिसकी जिम्मेदारी हम सबकी है।

उक्त उद्गार कमला नेहरू महाविद्यालय में पृथ्वी दिवस पर आयोजित समारोह प्रभारी प्राचार्य ए के मिश्रा द्वारा व्यक्त किए गए। रासेयो जिला संगठक के नेतृत्व में महाविद्यालय के एनएसएस, एनसीसी स्वयंसेवकों के लिए पर्यावरण प्रदूषण का मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव विषय पर रंगोली तथा पृथ्वी की रक्षा में युवाओं का योगदान विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 34 स्वयंसेवकों की सहभागिता रही। मनिता कंवर, पूजा गुप्ता, यदुनंदन सिंह, तिलेश्वर प्रसाद, पायल यादव तथा शिवम श्रीवास ने पोस्टर बनाकर धरती माता की रक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए आवश्यक कार्यों को चित्रित

किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक वाय के तिवारी ने कहा कि प्रकृति की रक्षा करना हम सबका सामूहिक दायित्व है, पौराणिक ग्रंथों में पृथ्वी को मां मानते हुए स्वयं को पुत्र मानकर सेवा करने की बात कही गई है। हम सब को इस बात की चिंता करनी चाहिए कि पृथ्वी कैसे अक्षुण्ण व वरदायिनी बनी रहे। स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए वानिकी विभाग के अध्यक्ष डा सुनील तिवारी ने कहा कि पृथ्वी दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों को जागरूक करना तथा उसके माध्यम से भूमि की स्थिरता बनाए रखने में पर्यावरण के प्रत्येक घटक के प्रति उचित जिम्मेदारी समझते हुए कार्य करने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ए के मिश्रा द्वारा सभी प्राध्यापकों व स्वयंसेवकों को धरती माता के संरक्षण, उसमें समाहित विभिन्ना तत्वों के सदुपयोग तथा प्रदूषण नियंत्रण के लिए शपथ दिलवाई गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डा प्रशांत बोपापुरकर के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में एनसीसी कार्यक्रम अधिकारी अनीता यादव, रासेयो कार्यक्रम अधिकारी प्रीति द्विवेदी, राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक जयप्रकाश पटेल, योगेश रत्नाकर, शुभम शर्मा, रेखा नेताम, तुलसी साहू, मनु पटेल, एन सी सी कैडेट अभिषेक सिंह, शुभम राजवाड़े, अनुराग साहू, सुरेश जैन, रामेश्वरी, आस्था, श्रुति पटेल, अभय सिंह आदि का सक्रिय योगदान रहा।